



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक ४. १. २०२१

पृष्ठ संख्या २ कॉलम १-५

सराहनीय

ऑटोमैटिक फुल सीडिंग लाइन मशीन मंगवाई, बीज के बोने से लेकर सिंचाई तक सभी काम करेगी मशीन

# प्रोट्रे में पौधे तैयार करेगा एचएयू का बागवानी विभाग

जागरण संबद्धाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग में अब विज्ञानी ऑटोमेटिक मशीन की सहायता से प्रोट्रे में पौधे तैयार करेंगे। इसके लिए विभाग ने एक ऐसी मशीन मंगवाई है जो बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम बहुत तीव्र गति से और आधुनिक तकनीक से करेगी। साथ ही इससे समय व पैसे की बचत के साथ-साथ लेबर की भी नाममात्र ही जरूरत पड़ेगी। इस मशीन को गाढ़ीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि इस मशीन के आने से किसानों को स्वस्थ व बेहतर गुणवत्ता के पौधे मिल सकेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय किसानों की जरूरत के अनुसार पौधे तैयार कर सकेगा और किसानों को अधिक मात्रा में पौधे मिल सकेंगे। बीमारी व कीटाणुरहित होंगे पौधे : बागवानी विभाग के अध्यक्ष डा. अनिल गोदारा ने बताया कि पहले पौधे तैयार करने के लिए मजदूरों की सहायता ली जाती है। इसमें बीज



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बागवानी विभाग में आई मशीन का अवलोकन करने के दौरान कार्यप्रणाली समझाते हुए। ● पीआइडी

### ऐसे काम करेगी मशीन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत ने बताया कि इस मशीन में सुविधानुसार प्रोट्रे लगाई जाती है। उसके बाद मशीन की सहायता से ही इस प्रोट्रे में नारियल का बुरादा, अंकुरण के लिए बीज व सिंचाई के लिए पानी डाला जाता है। इसके बाद मशीन जरूरत के हिसाब से प्रोट्रे में बीज डालती है। एक प्रोट्रे में 55 से 105 तक बीज डालकर पौधे तैयार किए जाते हैं। फिर प्रोट्रे को पॉली हाउस में रखा जाता है और पौधे तैयार होने तक उनकी वही देखभाल की जाती है।

बोने से लेकर खाद व पानी देने तक

के लिए बीज को जमीन में ही बोया जाता था, जिसमें बीज के सौ प्रतिशत अंकुरण की संभावना कम होती थी।

### सौ फीसद होगा बीजों का अंकुरण

फलदार पौधों, फूलों व सब्जियों की पौधे तैयार करने के लिए जो बीज बोया जाता है वह बहुत ही महंगा होता है। साथ ही मजदूरों की सहायता से जमीन में तैयार करने में समय अधिक लगने के साथ-साथ उनके सौ प्रतिशत अंकुरण या जमाव की भी संभावना कम होती है और बिमारी और कीटाणुओं से ग्रसित होने का डर रहता है। इसलिए कई बार तो कीमती बीज खराब हो जाता है और उससे बहुत कम मात्रा में पौधे

तैयार हो पाते हैं।

### अब समय, पैसे व लेबर की होगी बचत

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के प्रिसिपल इंवेस्टीगेटर डा. राजपाल दलाल के अनुसार पहले सारा काम हाथों से होता था, जिसमें अधिक समय व पैसे के साथ-साथ मजदूरी भी अधिक लगती थी। औसतन एक मजदूर पूरे दिन में कैफल 60 से 65 तक ही प्रोट्रे भरते थे जबकि इस मशीन की सहायता से एक घंटे में 300 से 700 तक प्रोट्रे भरी जा सकती हैं।

विज्ञानी किसानों की भलाई के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इस मशीन की सहायता से स्वस्थ व गुणवत्ता पूर्वक पौधे तैयार करना भी इसी दिशा में सराहनीय कदम है। यह विज्ञानी की मेहनत व नई सोच का परिणाम है और इसके बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

प्रो समर सिंह, कुलपति, एचएयू

पानी देने तक

के लिए बीज को जमीन में ही बोया जाता था, जिसमें बीज के सौ प्रतिशत अंकुरण की संभावना कम होती थी।

और पौधे में जमीन से ही बीमारी शुरू हो जाती थी। साथ ही पौधे को एक जगह से दूसरे जगह ट्रांसप्लांट

करने में भी दिक्कत थी। इस मशीन के प्रयोग से ऐसी सभी समस्याओं पर विराम लग जाएगा।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....मैट्रीनेट मासिनिक

दिनांक .८.।.२०२१....पृष्ठ संख्या.....५.....कॉलम.....।-६.....

**आधुनिक तकनीक** • विभाग ने एक मशीन मंगवाई, जो बीज बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम तेजी से करेगी। **मशीन की सहायता से प्रोट्रे में पौधे तैयार करेगा एचएयू का बागवानी विभाग, समय, श्रम और खर्च भी बचेगा**

भास्कर न्यूज | हिसार



एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बागवानी विभाग में आई मशीन का अवलोकन करते हुए व वैज्ञानिक मशीन की कार्यप्रणाली समझाते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग में अब वैज्ञानिक ऑटोमेटिक मशीन की सहायता से प्रोट्रे में पौधे तैयार करेंगे। इसके लिए विभाग ने एक ऐसी मशीन मंगवाई है, जो बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम बहुत तेज गति से और आशुनिक तकनीक से करेंगी।

इससे समय व पैसे की बचत होगी। लेबर की नाममात्र ही जरूरत नहीं। इस मशीन को गोप्तीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित

किया है। एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि इस मशीन की आने से किसानों को स्वस्थ कर सकेगा और किसानों को व बेहतर गणवत्ता के पौधे मिल सकेंगे।

**जानिए...** बीज, पानी और प्रोट्रे बनाने की कैसे चलती है मशीनी प्रक्रिया

एचएयू के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि इस मशीन में सुविधानुसार प्रोलगाई जाती है। उसके बाद मशीन की सहायता से ही इस प्रोट्रे में नारियल का बुरादा, अंकुरण लिए बीज व सिंचाई के लिए पानी डाला जाता है। इसके बाद मशीन जरूरत के हिसाब से प्रोट्रे में बीज डालती है। एक प्रोट्रे में 55 से 105 तक बीज डालकर पौधे तैयार किए जाते हैं। फिर प्रोट्रे को पॉली हाउस में रखा जाता है और पौधे तैयार होने तक उनकी वहीं देखभाल की जाती है।

**100% होगा बीजों का अंकुरण**

फलदार पौधों, फूलों व सङ्कियों की पौध तैयार करने के लिए जो बीज बोया जाता है वह बहुत महंगा होता है। साथ ही मजदूरों की सहायता से जमीन में तैयार करने में समय अधिक लगते हैं के साथ-साथ उनके सौ प्रतिशत अंकुरण या जमाव की भी संभावना कम होती है।

**मशीन के जरिए एक घंटे में 300 से 700 प्रोट्रे भरी जा सकती हैं**

डॉ. राजपाल दलाल ने कहा पहले सारा काम हाथों से होता था, जिसमें अधिक समय व पैसे लगते थे। एक मजदूर दिन में 60 से 65 तक ही प्रोट्रे भरते थे जबकि इस मशीन की सहायता से एक घंटे में 300 से 700 तक



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

ट्रॉनक फ़िल्म

दिनांक ४.१.२०२१ पृष्ठ संख्या ५ कॉलम ५८

हक्कुवि में मंगवाई ऑटोमेटिक फुल सीडिंग लाइन मशीन

## मिट्टी के बिना प्रो ट्रे में मशीन तैयार करेगी पौधे बुआई से सिंचाई तक करेगी सभी काम, लेबर और खर्च नाममात्र

नरेन्द्र छायालिया/निरा  
हिसार, 7 जनवरी

मुरीं के अंडों से चूजे निकालने की तकनीक की तर्ज पर अब बिना जमीन में दबाए बीजों से पौधे तैयार करने के लिए भी मशीन आ गई है, जिसको प्रो ट्रे नाम दिया गया है, यह प्रदेश की पहली मशीन बताई गई है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हक्कुवि) के बागवानी विभाग के वैज्ञानिक अब ऑटोमेटिक मशीन की सहायता से प्रो ट्रे में पौधे तैयार करेंगे। विभाग द्वारा मंगवाई गई यह मशीन बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम बहुत तीव्र गति से करेगी। इसे राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। बागवानी विभाग के



हिसार स्थित हक्कुवि के बागवानी विभाग में लगाई गयी प्रो ट्रे मशीन का वृहस्पतिवार को अवलोकन करते वैज्ञानिक। -निरा

अध्यक्ष डॉ. अनिल गोदारा ने बताया कि एहले सभी काम मजदूरों से किए जाते थे। बीज को जमीन में ही बोया और बहुत कम मात्रा में पौधे तैयार होते थे। इस मशीन के प्रयोग से ऐसी सभी समस्याओं पर विराम लगेगा।

### ऐसे करेगी काम

हक्कुवि के अनुसारन निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि इस मशीन में प्रो ट्रे लगाई जाती है। मशीन की सहायता से ही प्रो ट्रे में नारियल बुदादा, बीज व पानी डाला जाता है। इसके बाद मशीन जरूरत के हिसाब से प्रो ट्रे में बीज डालती है। एक प्रो ट्रे में 55 से 105 तक बीज डालकर पौधे तैयार किए जाते हैं। पौधे तैयार होने तक ट्रे को पानी छाउस में रखा जाता है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के प्रिसिपल इन्वेस्टिगेटर डॉ. राजपाल दलाल के अनुसार पहले औसतन एक मजदूर पूरे दिन में केवल 60 से 65 तक ही प्रो ट्रे भरते थे जबकि इस मशीन की सहायता से एक घंटे में 300 से 700 तक प्रो ट्रे भरी जा सकती हैं।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दृष्टि : लैज़ेन्ड  
दिनांक फ़. ।. २०२१ पृष्ठ संख्या ७ कॉलम २-४

## मशीनों की सहायता से प्रोट्रे में पौधे तैयार करेगा एचएयू का बागवानी विभाग ऑटोमेटिक फुल सीडिंग लाइन मशीन मंगवाई, लेबर और खर्च होगा नाममात्र

बीज के बोने से  
लेकर सिंचाई तक  
सभी काम करेगी  
मशीन  
दृष्टि न्यूज़ ।। हिसार

बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम तीव्रता से करेगी मशीन

**बीमारी व कौटुम्बिक होग पांडे**

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग में अब बैंडाइनिक मशीनों की सहायता से प्रोट्रे में पौधे तैयार करेंगे। इसके लिए विभाग ने एक ऐसी मशीन मंगवाई है जो बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम बहुत तीव्र गति से और आधुनिक तकनीक से करती। साथ ही इससे समय व पैसे की बचत के साथ-साथ लेबर की भी नाममात्र ही जरूरत पड़ेगी। इस मशीन को गढ़ीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कूलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस मशीन के आने से किसानों का स्वस्थ व बहतर गुणवत्ता के पौधे मिल सकेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय किसानों को जलस्त के अनुसार पौधे तैयार कर सकेंगे और किसानों को अधिक मात्रा में पौधे मिल सकेंगे।



हिसार। इकूलिंग कूलपति प्रोफेसर समर सिंह बागवानी विभाग में आई मशीन का अवलोकन करते व वैज्ञानिक मशीन की कार्यपाली बताते हुए।

सौ प्रतिशत होगा बीजों का अंकुरण

फलस्वरूप पौधों की पौधे तैयार करने के लिए जो बीज बीज हैं वह बहुत ही कम होता है। साथ ही मजबूरी की सहायता से जलावती में तैयार करने में समय अधिक लगते हैं जबकि जलावती के साथ-साथ ऊपरों से प्रतिशत अमुरांग या जलावती की संबंधितता कम होती है और विकासी और कौटुम्बिक से ग्रासिंग होने का इच्छना होता है। इसलिए इच्छा वाले तो तोक्ती बीज वरपाय हो जाता है।

अब समय, पैसे व लेबर की ही ही बचत

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के प्रिंसिपल इकाइटीनेट द्वारा जलावत के अनुसार पहले जलावत काम करने से होती थी। जिसमें उचित समय व ऐप्रे के साथ-साथ योजनाएँ भी आवाहनी भी आवाहनी होती हैं। अधिकल पहले मजबूरी पौधे दिन में तैयार 60 से 65 तक ही प्रैटे भरते हैं जबकि इस मशीन की सहायता से एक ग्राउंट में 300 से 700 तक प्रैटे भरते ही जाती है।

**किसानों की भलाई के लिए प्रयासरत**

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों की भलाई के लिए किसार प्रयासरत है। इस मशीन की सहायता से स्वस्थ एवं गुणवत्तामुक्त पौधे तैयार करना भी हाई विभा भी सहायता में उपलब्ध है। इस वैज्ञानिकों की महाना का परिवार है जिसके बहावर प्रयासरत होती जाएगी।

-प्रौ. समर सिंह, कृष्णपाल लक्ष्मी



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

‘ज़िला उत्तराहारा’

दिनांक ४.१.२०२१ पृष्ठ संख्या ५ कॉलम ६.८

### मशीनों की सहायता से प्रो-ट्रे में पौधे तैयार करेगा एचएयू का बागवानी विभाग

हिसार (संवाद)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग में अब वैज्ञानिक ऑटोमेटिक मशीन की सहायता से प्रो-ट्रे में पौधे तैयार करेंगे। इसके लिए विभाग ने एक ऐसी मशीन मंगवाई है जो बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम बहुत तीव्र गति से और आधुनिक तकनीक से करेगी। साथ ही इससे समय व पैसे की बचत के साथ-साथ लेबर की भी नाममात्र ही जरूरत पड़ेगी।

इस मशीन को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस मशीन के आने से किसानों को स्वस्थ व बेहतर गुणवत्ता के पौधे मिल सकेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय किसानों की जरूरत के अनुसार पौधे तैयार कर सकेंगे और किसानों को अधिक मात्रा में पौधे मिल सकेंगे। साथ ही इस मशीन के प्रयोग से काफी समस्याओं पर विराम लगेगा। ऐसे काम करेगी मशीन चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ.



बागवानी विभाग में आई मशीन का अवलोकन करते कुलपति प्रो. समर सिंह। संवाद

ऑटोमेटिक फुल सीडिंग लाइन मशीन  
मंगवाई, लेबर व खर्च होगा कम

एसके सहरावत ने बताया कि इस मशीन में सुविधानुसार प्रो-ट्रे लगाई जाती है। उसके बाद मशीन की सहायता से ही इस प्रो-ट्रे में नारियल का बुरादा, अंकुरण के लिए बीज व सिंचाई के लिए पानी डाला जाता है। इसके बाद मशीन जरूरत के हिसाब से प्रो-ट्रे में बीज डालती है।

55 से 105 तक बीज डालकर पौधे तैयार किए जाते हैं : एक प्रो-ट्रे में 55

से 105 तक बीज डालकर पौधे तैयार किए जाते हैं। फिर प्रो-ट्रे को पाँली हाउस में रखा जाता है और पौधे तैयार होने तक उनकी वहीं देखभाल की जाती है। वहीं फलदार पौधों, फूलों व सब्जियों की पौध तैयार करने के लिए जो बीज बोया जाता है वह बहुत ही महंगा होता है। साथ ही मजदूरों की सहायता से जमीन में तैयार करने में समय अधिक लगने के साथ-साथ उनके 100 प्रतिशत अंकुरण या जमाव की भी संभावना कम होती है और बीमारी और कीटाणुओं से ग्रसित होने का डर रहता है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....  
—पंजाब के सरी.....  
दिनांक 8.1.2021 पृष्ठ संख्या..... 2 ..... कॉलम..... 1-4 .....

### ‘पोस्टरों के माध्यम से बताए ऑनलाइन शिक्षण के फायदे व नुकसान’

हिसार, 7 जनवरी (ब्लूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा एक आनलाइन पोस्टर मेंकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू मेहता व पाठ्यक्रम समन्वयक सहायक प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ जाधव की देखरेख में किया गया। अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा ने इस



प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थी द्वारा बनाया गया पोस्टर।

अवसर पर कहा कि ऑनलाइन शिक्षण हमारे लिए जितना फायदेमंद है उतना ही नुकसानदायक भी हो सकता है। लेकिन कोरोना काल में ऑनलाइन प्रशिक्षण का महत्व बहुत बढ़ गया है ऐसे में ऑनलाइन शिक्षण से हमें कई प्रकार की समस्याएं और बीमारियां हो सकती हैं।

ऑनलाइन शिक्षण के दौरान संतुलित आहार एक अहम भूमिका

निभाता है।

हर 20 मिनट में ब्रेक लेना चाहिए और बच्चों को स्मार्टफोन की बजाय लैपटॉप या टेबलेट प्रयोग में लाना चाहिए।

इस दौरान आयोजित प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की बी.एस.सी. कम्प्युनिटी साइंस की अंतिम वर्ष की छात्रा कांति धीमीरे ने प्रथम स्थान व इसी महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा छवि ने द्वितीय व दयानंद महाविद्यालय हिसार के बी.एस.सी. अंतिम वर्ष के छात्र पीयूष शर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागी को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल	07.01.2021	01	01

### फटेहाबाद-हिसार

## अब बीज के बोने से लेकर सिंचाई तक सभी काम करेगी मशीन



पल पल न्यूज़: हिसार, 7 जनवरी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग में अब वैज्ञानिक औटोमेटिक मशीन की सहायता से प्रोट्रैट में पौधे तैयार करेंगे। इसके लिए विभाग ने एक ऐसी मशीन मंगावाई है जो बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम बहुत तीव्र गति से और आगुनिक तकनीक से करेगी। साथ ही इससे समय व पैसे की बचत के साथ-साथ लेवर की भी नाममात्र ही जरूरत पड़ेगी। इस मशीन को गार्जी कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कूलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस मशीन के आने से किसानों को स्वरूप व बेहतर गुणवत्ता के पौधे मिल सकेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय किसानों की जरूरत के अनुसार पौधे तैयार कर सकेंगा और किसानों

को अधिक मात्रा में पौधे मिल सकेंगे। बागवानी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल गोदारा ने बताया कि पहले पौधे तैयार करने के लिए मजदूरों की सहायता ली जाती है। इसमें बीज बोने से लेकर खाद व पानी देने तक सभी काम मजदूरों से किए जाते थे। इसके अलावा पौधे तैयार करने के लिए बीज को जमीन में ही बोया जाता था, जिसमें बीज के सौ प्रतिशत अनुरूप की संभावना कम होती थी और पौधे में जमीन से ही बीमारी शुरू हो जाती थी। साथ ही ही पौधे को एक जाह से दूसरे जाह ट्रांसप्लांट करने में भी दिक्कत थी। इस मशीन के प्रयोग से ऐसी सभी समस्याओं पर विराम लग जाएगा।

### ऐसे काम करेगी मशीन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहावत ने बताया कि इस मशीन में सुविधानुसार प्रोट्रैट लगाई जाती है। उसके बाद मशीन की सहायता से ही इस प्रोट्रैट में नारियल का बुरादा, अंकुरण के लिए बीज व सिंचाई के लिए पानी डाला जाता है। इसके बाद मशीन जरूरत के हिसाब से प्रोट्रैट में बीज डालती है। एक प्रोट्रैट में 55 से 105 तक बीज डालकर पौधे तैयार किए जाते हैं। किर प्रोट्रैट को पांची हाउस में रखा जाता है और पौधे तैयार होने तक उनकी वही देखभाल की जाती है। कूलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों की भलाई के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस मशीन की सहायता से स्वरूप व गुणवत्ता पूर्वक पौधे तैयार करना भी इसी दिशा में सराहनीय कदम है। यह वैज्ञानिकों की मेहनत व नई सोच का परिणाम है और इसके बेहतर परिणाम सामने आएंगे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	07.01.2021	01	01

## मशीनों की सहायता से प्रो ट्रै में पौधे तैयार करेगा एचएयू का बागवानी विभाग

पांच बजे न्यूज़

हिमारा। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विद्यालयीन विभाग में अब वैज्ञानिक औरोपीय मशीनों की मशायता में प्रो ट्रै में पौधे तैयार करें। इसके लिए विभाग ने एक ऐसी मशीन मार्गदर्शक है जो बीज को बोने से लेकर खाद व निर्माण तक के मानो काम बहुत तीव्र गति से और आधिक तकनीक से करती है। मश यही इससे समय व ऐसे जो बचत के साथ-साथ लेकर जो भी नामांक हो जायेगा वही। इस मशीन को गट्टीय कृषि विभाग संग्रहालय के तहत स्थापित किया गया। विश्वविद्यालय के कृत्तियों प्रोफेसर समाज सिंह ने कहा कि इस मशीन के आगे से विद्यालय की व्यवस्था व बढ़ाव का दृष्टिकोण बदल देने के लिए प्रयत्न करें। मश ही विश्वविद्यालय किसका जो जब्तत के अनुसार पौधे तैयार कर सकते और किसकी को अधिक जाता है पौधे तैयार करने के लिए प्रयत्न करते हैं। इससे बीजों से लेकर खाद व धानी देने तक सभी काम प्रबद्धों से लिए जाते हैं। मश ही पौधे को एक जगह से दूसरे जाह ट्रांसफर करने में भी दिक्कत नहीं। इस मशीन के प्रयोग से ऐसी सभी समस्याओं पर विप्रभाव लग जाएगा।



दोस्री बीज और पौधे में जांचों से ही बीमारी शुरू हो जाती थी। मश ही पौधे को एक जगह से दूसरे जाह ट्रांसफर करने में भी दिक्कत नहीं। इस मशीन के प्रयोग से ऐसी सभी समस्याओं पर विप्रभाव लग जाएगा।

ऐसे काम कोरोना मशीन

इक्किंचि के अनुसार निदेशक डॉ. प्रमोक्ष महाराज ने कहा कि इस मशीन में सुधारानुपात प्रो ट्रै नामांक जाता है। उनके बाद मशीन की समाप्ति से ही इस प्रो ट्रै में नामांक का बुद्धि, अनुसार के लिए बीज व मिश्याई के लिए पौधे जो डिक्कत नहीं जाता है। इस बाद मशीन जल्दत के लिए यहाँ से ही प्रो ट्रै में 55 से 105 तक बीज डालती है। एक प्रो ट्रै में 55 से 105 तक बीज डालने पौधे तैयार किए जाते हैं। इस प्रो ट्रै को पौधी लाइसें में रखा जाता है और पौधे तैयार होने तक उनकी बड़ी देखाल की जाती है।

सो प्रतिक्रिया होमा बीजों का अंकुरण

कृषिदार घोषणा, पूर्ण व संबद्धयों की पौधे तैयार करने के लिए जो बीज बीज जाता है वह बहुत ही छोटा होता है। साथ ही यहाँ से बीज डालने से जांचों में तैयार करने में समय अधिक लागत के साथ-साथ उनके सूखावात पूर्वी पौधे तैयार करने भी इसी दिशा में मार्गान्वीय कदम है। यह वैज्ञानिकों की मेहनत व नई सोच का परिणाम है और इसके बहुत परिणाम सामने आये।

इसलिए कई बार तो जोगती बीज भ्रगव तो जाता है और उससे बहुत कम जाता में पौधे तैयार हो जाते हैं।

अब समय, पौधे व लेखर की हार्पी बचत

गट्टीय कृषि विकास योजना के प्रयोगील इंवेस्टिगेटर डॉ. चंद्रबल दत्तन के अनुसार एकल सारा काम हाथें से होता था, जिसमें अधिक समय व पौधे के साथ-साथ मजबूती भी अधिक लागती थी। औसतन एक मजबूत पौधे दिन में केवल 60 से 65 लक्ष ही प्रो ट्रै तक पहुंचते थे जबकि इस मशीन की सालाना से एक पौधे में 300 से 700 तक प्रो ट्रै भी जो सकती है।

किसानों की भलाई के लिए प्रयासरन

है वैज्ञानिक : प्रो. समर सिंह

कृत्तियों स्थोरिय प्रोफेसर समाज मिश्न ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक विद्यालयों को भलाई के लिए निरंतर प्रयत्नसाता है। इस मशीन की मशायता में समय व व्यवस्था पूर्वी पौधे तैयार करने भी इसी दिशा में मार्गान्वीय कदम है। यह वैज्ञानिकों की मेहनत व नई सोच का परिणाम है और इसके बहुत परिणाम सामने आये।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सभृती.....

दिनांक ७. १. २०२१ पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

### मरीनों की सहायता से प्रोट्रे में पौधे तैयार करेगा बागवानी विभाग

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग में अब वैज्ञानिक ऑटोमेटिक मशीन की सहायता से प्रोट्रे में पौधे तैयार करेंगे। इसके लिए विभाग ने एक ऐसी मशीन मंगवाई है जो बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम बहुत तीव्र गति से और आधुनिक तकनीक से करेंगी। साथ ही इससे समय व पैसे की बचत के साथ-साथ लेबर की भी नाममात्र ही जरूरत पड़ेगी। इस मशीन को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस मशीन के आने से किसानों को स्वस्थ व बेहतर गुणवत्ता के पौधे मिल सकेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय किसानों की जरूरत के अनुसार पौधे तैयार कर सकेंगा और किसानों को अधिक मात्रा में पौधे मिल सकेंगे। बागवानी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल गोदारा ने बताया कि पहले पौधे तैयार करने के लिए मजदूरों की सहायता ली जाती है। इसमें बीज बोने से लेकर खाद व पानी देने तक सभी काम मजदूरों से किए जाते थे। इसके अलावा पौधे तैयार करने के लिए बीज को जमीन में ही बोया जाता था, जिसमें बीज के सौ प्रतिशत अंकुरण की संभावना कम होती थी और पौधे में जमीन से ही बिमारी शुरू हो जाती थी। साथ ही पौधे को एक जगह से दूसरे जगह ट्रांस्प्लांट करने में भी दिक्कत थी। इस मशीन के प्रयोग से ऐसी सभी समस्याओं पर विराम लग जाएगा। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस. क. सहरावत ने बताया कि इस मशीन में सुविधानुसार प्रोट्रे लाई जाती है। उसके बाद मशीन की सहायता से ही इसमें नारियल का बुरादा, अंकुरण के लिए बीज व सिंचाई के लिए पानी डाला जाता है। इसके बाद मशीन जरूरत के हिसाब से प्रोट्रे में बीज डालती है। एक प्रोट्रे में 55 से 105 तक बीज डालकर पौधे तैयार किए जाते हैं। फिर प्रोट्रे को पॉलीहाउस में रखा जाता है और पौधे तैयार होने तक उनकी वही देखभाल की जाती है। फलदार पौधों की संबंधितों की पौधे तैयार करने के लिए जो बीज बोया जाता है वह बहुत ही महंगा होता है। साथ ही मजदूरों की सहायता से जमीन में तैयार करने में समय अधिक लगने के साथ-साथ उनके सौ प्रतिशत अंकुरण या जमाव की भी संभावना कम होती है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	07.01.2021	--	--

## बीज के बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक का काम होगा आधुनिक तकनीक द्वारा: कुलपति

मिस्ट्री पद्म न्यून, हिमारा। हाइनाला कृषि विश्वविद्यालय के अधिकारी विभाग में अब विज्ञान औ तकनीकीकरण की समाजत में प्रोट्रैट में पौधे लेगा। इसके लिए विभाग ने एक ऐसी मशीन खरीदी है जो बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के यथोक्तम काम व्यक्त की यहाँ में और जापानीक तकनीक से करेगी। साथ ही इसमें माध्यम व प्रैम की व्यवस्था के साथ-साथ लेकर जी भी नामांकन हो जाएगा। इस मशीन को गहरीय कृषि विकास योजना के तहत खरीदा जिया गया है। कुलपति डॉ. मास विहं ने कहा कि इस मशीन के जरूर में किसानों को सहाय व बेंकर गुणता के पैरों मिल सकेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय किसानों की विकास के अनुसार पौधे तैयार कर सकता और किसानों को अधिक



हिमारा। कुलपति प्रोफेसर मास विहं विभाग में आई मशीन का अवलोकन करते हुए।

माजा में पौधे गिर सकेंगे।

विभागीय विभाग के अध्यक्ष डॉ. अंकिल गोदारा ने बताया कि यहाँ पौधे लेगा करने के लिए मशीनों की

महानका जी जाती है। इसमें बोन जैव से लेकर खाद व पानी देने वाली मशीन मशीन मशीन में लिए जाते हैं। इसके अंदराओं पौधे लेकर करने के लिए बीज जैव मशीन में ही बोन जैव खाद विभाग बीज के मी प्रोतीक्षा अनुसार की समाजत कम होती और पौधे में जैव में ही विभागीय खाद हो जाती थी। इस मशीन के पैरों से एकी सभी मशीनों का विषय नहीं जाएगा।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस. के. यादव ने बताया कि इस मशीन में मूलिकानुसार जो हो दें लगाई जाती है। उसके बाद मशीन जैव मशीन से ही इस प्रैट्रैट में जैविक कर बुनव अनुसार के लिए बीज विभाग में लगाई जाती है। इसके बाद मशीन जैव के हिस्से में प्रोट्रैट में लेंगे जानकारी है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	07.01.2021	--	--

### मशीनों की सहायता से प्रो ट्रै में पौधे तैयार करेगा एचएयू का बागवानी विभाग



**पाठकपक्ष न्यूज़, हिसार, 7 जनवरी :** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग में अब वैज्ञानिक ऑटोमेटिक मशीन की सहायता से प्रो ट्रै में पौधे तैयार करेंगे। इसके लिए विभाग ने एक ऐसी मशीन मंगवाई है जो बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम बहुत तीव्र गति से और आधुनिक तकनीक से करेगी। साथ ही इससे समय व पैसे की बचत के साथ-साथ लेबर की भी नाममात्र ही जरूरत पड़ेगी। इस मशीन को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस मशीन के आने से किसानों को स्वस्थ व बेहतर गुणवत्ता के पौधे मिल सकेंगे। बागवानी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल गोदारा ने बताया कि विश्वविद्यालय किसानों की जरूरत के अनुसार पौधे तैयार कर सकेगा और किसानों को अधिक मात्रा में पौधे मिल सकेंगे। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के प्रिंसीपल इंवेस्टीगेटर डॉ. राजपाल दलाल ने बताया कि फलदार पौधों, फूलों व सब्जियों की पौधे तैयार करने के लिए जो बीज बोया जाता है वह बहुत ही महंगा होता है। साथ ही मजदूरों की सहायता से जमीन में तैयार करने में समय अधिक लगने के साथ-साथ उनके सौ प्रतिशत अंकुरण या जमाव की भी संभावना कम होती है और बिमारी और कीटाणुओं से ग्रसित होने का डर रहता है। इसलिए कई बार तो कीमती बीज खराब हो जाता है और उससे बहुत कम मात्रा में पौधे तैयार हो पाते हैं।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	07.01.2021	--	--

### हकूमि में अब मशीन करेगी पौधे तैयार, बीज बोने से लेकर सिंचाई तक का काम होगा तेज

हिसार/07 जनवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग में अब वैज्ञानिक ऑटोमेटिक मशीन की सहायता से प्रोट्रै में पौधे तैयार करेंगे। इसके लिए विभाग ने एक ऐसी मशीन मंगवाई है जो बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम बहुत तीव्र गति से और आधुनिक तकनीक से करेगी। साथ ही इससे समय व पैसे की बचत के साथ-साथ लेबर की भी नाममात्र ही जरूरत पड़ेगी। इस मशीन को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस मशीन के आने से किसानों को स्वस्थ व बेहतर गुणवत्ता के पौधे मिल सकेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय किसानों की जरूरत के अनुसार पौधे तैयार कर सकेंगे और किसानों को अधिक मात्रा में पौधे मिल सकेंगे। बागवानी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल गोदारा ने बताया कि अभी पौधे तैयार करने के लिए मजदूरों की सहायता ली जाती है। इसमें बीज बोने से लेकर खाद व पानी देने तक सभी काम



मजदूर करते हैं। इसके अलावा पौधे तैयार करने के लिए बीज को जमीन में ही बोया जाता है, जिसमें बीज के सौ प्रतिशत अंकुरण की संभावना कम होती है और पौधे में जमीन से ही विमारि शुरू हो जाती है। साथ ही पौधे को एक जगह से दूसरे जगह ट्रांसप्लांट करने में भी दिक्कत है। इस मशीन के प्रयोग से ऐसी सभी समस्याओं पर विराम लग जाएगा। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि इस मशीन में सुविधानुसार प्रोट्रै लगाई जाती है। उसके बाद मशीन की सहायता से ही इस प्रोट्रै में नारियल का बुरादा, अंकुरण के लिए बीज व सिंचाई के लिए पानी डाला जाता है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार न्यूज	08.01.2021	--	--

## ऑटोमैटिक फुल सीडिंग लाईन मशीन मंगवाई बीज बोने से लेकर सिंचाई तक सभी काम करेगी मशीन



मंगाली नवाबा, 7 जनवरी  
(देवानन्द सोनी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग में अब वैज्ञानिक ऑटोमैटिक मशीन की महायता से प्रोट्रैट में पौधे तैयार करेंगे। इसके लिए विभाग ने एक ऐसी मशीन मंगवाई है जो बीज को बोने से लेकर खाद व मिश्याई तक के सभी काम बहुत तीव्र गति से और आधुनिक तकनीक से करेंगे। साथ ही इसमें समय व पैसे की बचत के साथ-साथ लेकर की भी नममात्र ही जरूरत पड़ेगी। इस मशीन को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत म्यापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस मशीन के आने से किसानों को स्वस्थ व बेहतर गुणवत्ता के पौधे मिल सकेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय किसानों की जरूरत के अनुसार पौधे तैयार कर सकेंगे और किसानों को अधिक मात्रा में पौधे मिल सकेंगे।

विमारी व कौटुम्बिक होंगे  
पौधे : बागवानी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल गोदारा ने कहाय कि पहले पौधे तैयार करने के लिए मजदूरों की महायता ली जाती है। इसमें बीज बोने से लेकर खाद व पानी देने तक सभी काम मजदूरों से किए जाते थे। इसके

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बागवानी विभाग में आई मशीन का अश्लोक करते हुए वैज्ञानिक मशीन की कार्यप्रणाली समझाते हुए। (आया : सोनी)

अलाला पौधे तैयार करने के लिए बीज को जमीन में ही बोना जाता था, जिसमें मशीन जरूरत के हिसाब से प्रोट्रैट में बीज के सौ प्रतिशत अंकुरण की बीज डालती है। एक प्रोट्रैट में 55 से 105 तक बीज डालकर पौधे तैयार किए जाते हैं। फिर प्रोट्रैट को पौली हाउस में रखा जाता है और पौधे तैयार जाह ट्रांसफार्ट करने में भी दिक्षित थी। इस मशीन के प्रयोग से ऐसी मशीन समस्याओं पर वियाम लग जाएगा।

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों की भलाई के लिए निरंतर प्रयत्नत हैं। इस मशीन की महायता से स्वस्थ व गुणवत्ता पूर्वक पौधे तैयार करना भी इसी दिशा में मरालनीय कदम है। यह वैज्ञानिकों की महत्वत व नई सोच का परिणाम है और इसके बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

ऐसे काम करेगी मशीन : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस. के. सहशरवत ने कहाय कि इस मशीन में सुविधानुसार प्रोट्रैट लगाई जाती है। उसके बाद मशीन की महायता से ही इस प्रोट्रैट में नरियल का बुरटा, अंकुरण के लिए बीज व सिंचाई के



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	07.01.2021	--	--

## मशीनों की सहायता से प्रो ट्रै में पौधे तैयार करेगा एचएयू

बीज के बोने से लेकर  
सिंचाइ तक सभी काम  
करेगी मशीन

समस्त हरियाणा न्यूज  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानों की सहायता से एक ऐसी मशीन बनाई गई है जो बीज को बोने से लेकर खाद व रिचार्ड तक तक सभी काम यहूत तीव्र गति से और समृद्धिक तरह नियंत्रित करेगा। याथ से समस्त संग्रह व ऐसे की बदल के माध्य-साध्य स्तर की भी जापानी ही जरूरत पड़ती है।

इस मशीन को यहुत कृषि विकास विभाग के तहत स्थापित किया गया है। यह विश्वविद्यालय के कृतज्ञ प्रोफेसर समर मंड़े ने कहा कि इस मशीन के आने से असानों को याथ व बेहतर गुणवत्ता के लिए मिल सकेंगे।



किसानों को जलसत के अनुसार पौधे तैयार करने कर योजना और किसानों को अधिक माझे में पौधे मिल सकेंगे।

### बीमारी व कीटाणुरुहित होंगे पौधे

बागवानों विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल गोदारा ने बताया कि पहले पौधे तैयार करने के लिए याद मर्दानों की सहायता ली जाती है। इसमें बीज बोने से लेकर खाद व पानी देने तक सभी काम यादूरों द्वारा किया जाता है। इसके अलावा पौधे तैयार करने के लिए याद मर्दानों की सहायता दी जाती है।

### किसानों की भलाई के लिए प्रयासरत्त हैं वैज्ञानिक : प्रो. समर सिंह

कृषिविद्यालय प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों को भलाई के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इस मशीन की सहायता से स्वयं व युवावतारुकं पौधे तैयार करना भी हरी दिशा में मराहनीय कदम है। यह वैज्ञानिकों की मेहनत व नई सोच का परिणाम है और इसके बेहतर परिणाम सापेने आएंगे।

एम.के. सहायता ने बताया कि इस मशीन में सूखिभानुसार प्रो. डॉ. अनिल गोदारा की सहायता में ही इस प्रो डॉ. डॉ. अनिल गोदारा का योगदान अंकुरण के संभावना कम होती थी और पौधे में जमीन में ही विधारी शूक हो जाती थी। साथ ही पौधे को एक बाजार से दूसरे बाजार ट्रांसफर करने में भी दिक्कत थी। इस मशीन के प्रयोग से ऐसी मशीन समझाओं पर विश्वास लग जाएगा।

### ऐसे काम करेगी मशीन का अंकुरण

बीमारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ.

पीथ तैयार करने के लिए जो बीज बोना जाता है वह बहुत ही मर्हगा होता है। साथ ही मजदूरों की सहायता से जमीन में तैयार करने में समय अधिक लगाने के साथ-साथ उनके सी प्रतिशत अंकुरण या जागव को भी संभावना कम होती है और विधारी और बोटाणुओं से यासित होने का तरह रहता है।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के प्रिंसीपल इंसेस्ट्रीटर डॉ. गवरपाल दलाल के अनुसार पहले सारा काम हाथों में होता था, जिसमें अधिक समय व ऐसे के माध्य साथ मजदूरों भी अंतक लगती थी।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार न्यूज	08.01.2021	--	--

## ग्रामीण महिलाओं को जीने के गुर सिखा रहा एवायू का होम साईंस कॉलेज

### कॉलेज के शिक्षकों व विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन व ऑफलाइन किया जा रहा जागरूक

मंगली नलवा, 6 जनवरी (देवानन्द सोनी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वितीय एक ब्रोड जल्द कृषि क्षेत्र में उत्तम किस्म और नई तकनीक विकसित करने के लिए जाता है, वहाँ दूसरी ओर उसी विश्वविद्यालय का ईंटिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के उत्थान व उनको स्वातंत्र्यीय बनाने में अग्रभूमिका निभा रहा है। गृह विज्ञान महाविद्यालय के शिक्षक व विद्यार्थी इस काले भें विशेष योगदान दे रहे हैं। विभाग द्वारा तकालीन यामाजिक मुद्दों के मैनेजर अनेक गतिविधियां ऑनलाइन व ऑफलाइन आयोजित की जाती हैं।

इसी दिना में कोरोना महामारी के चलते ग्रामीण महिलाएं जो स्वरोजगार में अपना व परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं, उसके जीवन में काम के बोझ व धंसले

परेशानियों के चलते बढ़ रहे तनाव को दूर करने के लिए कॉलेज टीम द्वारा खास टिप्पणी दिए जा रहे हैं। कॉलेज की अधिकृता हॉ. विमला हांडा ने टीम का मार्गदर्शन करते हुए

उन्हें बधाई दी है। गृह विज्ञान महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन एवं प्रबंधन विभाग की अध्यक्षा हॉ. मंजू मेहता व डॉ. कविता दुआ जाधव की अग्रणी हैं में ये गतिविधि आयोजित की जा रही हैं।

डाक्टर वि. समर सिंह। (छाया : रोनी) रावलवास खुर्द ग्रामीण महिलाएं जो स्वरोजगार चलाने वाली महिलाएं अपने महिलाओं का किया चयन : कोरोना

महामारी के चलते कॉलेज के स्टाफ मदद्यों द्वारा जिले के गांव छावड़ा व रावलवास खुर्द की 30-30 उन महिलाओं का चयन किया गया जो

गांव में अपना स्वरोजगार में आजीविका चला रही हैं। ये महिलाएं

कहाई, मिलाई, बुटीक, पश्चपालन, डेंगरी कार्पिंग, स्टीचिंग जैसे कार्य कर रही हैं। उनमें दिनभर काम का बोझ व साथ में परिवार को संभालने के कारण कई बार दैनिक कारों में मांजस्य नहीं बैठा पाती, जिसके चलते

मानसिक रूप से परेशान हो जाती हैं और तनावाप्त रहने लगती हैं। उन्हें कई मानसिक व शारीरिक भूम्यां धेर लेती हैं और उनका स्वभाव चिङ्गनदा रहने लगता है जो उनके स्वास्थ्य पर विपरीत असर डालता है और परिवार में अशांति का माहौल पैदा करता है।

विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कोरोना महामारी के चलते समाज के बदलते परिवेश में अपनी खास भूमिका निभाई है। कपी मास्क, बांदी कवर किट, कोरोना किट आदि तैयार करने से लेकर ऑनलाइन पढ़ाई व प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रम भी किए गए हैं और अपनी भी जारी हैं। विभाग की ओर में समसामयिक मुद्दों को ज्यान में रखकर किए जाने वाले इस प्रकार के प्रयास बहुत ही सराहनीय हैं।



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर

समर सिंह। (छाया : रोनी)



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

भौतिक मरम्भ

दिनांक .8.1.2021....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम...1-3.....

### रंगों के मेल से ऑनलाइन एजुकेशन के फायदे और नुकसान समझाए

सिटी रिपोर्टर • रंगों के मेल से भावों की अभिव्यक्ति के जरिए स्टूडेंट्स ने ऑनलाइन एजुकेशन के फायदे और नुकसान समझाए। एचएयू के इंदिरा चक्रवर्ती होम साइंस कॉलेज की छात्राओं ने ऑनलाइन पोस्टर में किंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। परिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू मेहता व पाठ्यक्रम समन्वयक सहायक प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ जाधव की देखरेख में हुई प्रतियोगिता में एचएयू के अलावा शहर के विभिन्न कॉलेजों के 34 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन पार्टीसिपेट किया। इसमें भाग लेने वाले सभी प्रतिभागी को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

#### इनकी परफॉर्मेंस रही सबसे खास



प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती होम साइंस कॉलेज की बीएससी कम्युनिटी साइंस की अंतिम वर्ष की छात्रा कांति धीमीरे ने प्रथम स्थान व इसी कॉलेज की अंतिम वर्ष की छात्रा छवि ने द्वितीय व दयानंद कॉलेज हिसार के बीएससी अंतिम वर्ष के छात्र पीयूष शर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया।

#### ऑनलाइन स्टडी के दौरान हर 20 मिनट में एक ब्रेक जरूर लें

कॉलेज की डीन डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि ऑनलाइन शिक्षण हमारे लिए जितना फायदेमंद है उतना ही नुकसानदायक भी हो सकता है। लेकिन कोरोना काल में ऑनलाइन प्रशिक्षण का महत्व बहुत बढ़ गया है। ऑनलाइन शिक्षण के दौरान संतुलित आहार एक अहम भूमिका निभाता है। हर 20 मिनट में ब्रेक लेना चाहिए। सहायक प्रोफेसर कविता दुआ जाधव ने बताया कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से लोगों को ऑनलाइन शिक्षण के लाभ व हानि के बारे में बताते हुए उनके प्रबंधन की भी जानकारी दी गई।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....रुक्मिणी

दिनांक ४. १. २०२१ पृष्ठ संख्या.....५ कॉलम.....५-५

### पोस्टर बनाकर बताए ऑनलाइन शिक्षण के फायदे व नुकसान

संबाद न्यूज एजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की ओर से आनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू मेहता व पाठ्यक्रम समन्वयक सहायक प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ जाधव की देखरेख में किया गया।



पैटिंग करती छात्रा।

में ऑनलाइन शिक्षण से हमें कई प्रकार की समस्याएं और बीमारियां हो सकती हैं। ऑनलाइन शिक्षण के दौरान संतुलित आहार एक अहम भूमिका निभाता है। हर 20 मिनट में ब्रेक लेना चाहिए औ बच्चों को स्मार्टफोन की बजाय लैपटॉप या टैबलेट प्रयोग में लाना चाहिए। वहाँ प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की बीएससी कम्प्यूनिटी साइंस की अंतिम वर्ष की छात्रा काति धीमीरे ने प्रथम स्थान व इसी महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा छवि ने द्वितीय व द्यानंद महाविद्यालय के बीएससी अंतिम वर्ष के छात्र पीयूष शर्मा ने तृतीय

महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में बिमला ढांडा ने कहा कि ऑनलाइन विश्वविद्यालय के अलावा शहर के शिक्षण हमारे लिए जितना फायदेमंद है, विभिन्न महाविद्यालयों के 34 विद्यार्थियों उतना ही नुकसानदायक भी हो सकता है, ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। इस लेकिन कारोना काल में ऑनलाइन प्रशिक्षण का महत्व बहुत बढ़ गया है। ऐसे प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी

प्रतिभागी को ई प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

~~मैनक जागरूक निकट~~

दिनांक ६-१-२०२१ पृष्ठ संख्या २, ४ कॉलम ७-८, ७-८

## पोस्टरों के माध्यम से बताए ऑनलाइन शिक्षण के फायदे और नुकसान

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा एक आॅनलाइन पोस्टर मेंकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू मेहता व वाट्यक्रम समन्वयक सहायक प्रोफेसर डा. कविता दुआ जाधव की देखरेख में किया गया। अधिष्ठाता डा. विमला ढांडा ने कहा कि आॅनलाइन शिक्षण हमारे लिए जितना फायदेमंद है उतना ही नुकसानदायक भी हो सकता है। लेकिन कोरोना काल में आॅनलाइन प्रशिक्षण का महत्व बहुत बढ़ गया है। ऐसे में आॅनलाइन शिक्षण से हमें कई प्रकार की समस्याएं और बिमरियां हो सकती हैं। आॅनलाइन शिक्षण के दौरान संतुलित आहार एक अहम भूमिका निभाता है। हर 20 मिनट में ब्रेक लेना चाहिए और बच्चों को लैपटॉप या टेबलेट प्रयोग में लाना चाहिए। बीएससी कम्युनिटी साइंस की अंतिम वर्ष की छात्रा कांति धीमीरे ने प्रथम स्थान व इसी महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा छवि ने द्वितीय व दयानंद महाविद्यालय हिसार के बीएससी अंतिम वर्ष के छात्र पीयुष शर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया।

## 20 मिनट बाद लें ब्रेक, बच्चों को दें लैपटॉप या टैब

हिसार (निष्प) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा आॅनलाइन पोस्टर मेंकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा ने कहा कि आॅनलाइन शिक्षण हमारे लिए जितना फायदेमंद है, उतना ही नुकसानदायक भी हो सकता है। आॅनलाइन शिक्षण के दौरान संतुलित आहार एक अहम भूमिका निभाता है। हर 20 मिनट में ब्रेक लेना चाहिए और बच्चों को स्मार्टफोन की बजाय लैपटॉप या टेबलेट प्रयोग में लाना चाहिए। इस दौरान आयोजित प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की बीएससी कम्युनिटी साइंस की अंतिम वर्ष की छात्रा कांति धीमीरे ने प्रथम व इसी महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा छवि ने द्वितीय व दयानंद महाविद्यालय हिसार के बीएससी अंतिम वर्ष के छात्र पीयुष शर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दैरेखनी, ऐनिक ग्रन्ति.....

दिनांक ४.१.२०२१ पृष्ठ संख्या ९.२ कॉलम २.३.७

**पोस्टर प्रतियोगिता में मनन जाखड़ द्वारा प्रथम**



हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय गणित दिवस 2020 का आयोजन हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद व पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूल, कॉलेजों तथा विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। स्कूल लेवल की पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता में मनन जाखड़ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

### मनन ने खूबसूरत पोस्टर बनाकर जीता फर्स्ट प्राइज़, सम्मानित किया



हिसार। एचएयू में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी की तरफ से राष्ट्रीय गणित दिवस पर हरियाणा राज्य विज्ञान नवाचार और प्रदुम की प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से आयोजन हुआ था। इसके तहत गणित संखियां के क्यूटर विज्ञान में स्टूडेंट्स की रुचि को बढ़ाने के लिए प्रश्नोत्तरी वाद विवाद और पोस्टर मेकिंग स्पर्धा का आयोजन हुआ था। इन प्रतियोगिताओं का रिजल्ट अब जारी हुआ। जिसमें पोस्टर मेकिंग कम्पीटिशन में मनन जाखड़ ने खूबसूरत पोस्टर बना फर्स्ट प्राइज़ जीता।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	07.01.2021	--	--

### पोस्टरों के माध्यम से बताए ऑनलाइन शिक्षण के फायदे व नुकसान कांति ने बनाया सबसे प्रेरणादायी पोस्टर

#### पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 7 जनवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा एक ऑनलाइन पोस्टर मेंकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू मेहता व पाठ्यक्रम समन्वयक सहायक प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ जाधव की देखरेख में किया गया। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने इस अवसर पर कहा कि ऑनलाइन शिक्षण हमारे लिए जितना फायदेमंद है उतना ही नुकसानदायक भी हो सकता है। लेकिन कोरोना काल में ऑनलाइन प्रशिक्षण का महत्व बहुत बढ़ गया है। ऐसे में ऑनलाइन शिक्षण से हमें कई प्रकार की समस्याएं और विमरियां हो सकती हैं। ऑनलाइन शिक्षण के दौरान संतुलित आहार एक अहम भूमिका निभाता है। हर 20 मिनट में ब्रेक लेना चाहिए और बच्चों को स्मार्टफोन की बजाय लैपटॉप या टेबलेट प्रयोग में लाना चाहिए। सहायक प्रोफेसर कविता दुआ जाधव ने बताया कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से लोगों को ऑनलाइन शिक्षण के लाभ व हानि के बारे में बताते हुए उनके प्रबंधन की भी जानकारी दी गई ताकि भविष्य में इससे होने वाली समस्याओं से बचा जा सके। कमर दर्द होना, गर्दन दर्द व आंखों की कई समस्याएं इस ऑनलाइन शिक्षण के कारण उत्पन हो सकती हैं। इस दौरान आयोजित प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की बीएससी कम्युनिटी साइंस की अंतिम वर्ष की छात्रा कांति धीमीरे ने प्रथम स्थान व इसी महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा छवि ने द्वितीय व दयानंद महाविद्यालय हिसार के बीएससी अंतिम वर्ष के छात्र पीयूष शर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के अलावा शहर के विभिन्न महाविद्यालय के 34 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागी को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	07.01.2021	--	--

# पोस्टरों के माध्यम से बताए ऑनलाइन शिक्षण के फायदे व नुकसान

मिट्टी पत्त्य न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के ईंदूरा चक्रवर्ती मृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा एक आनलाइन पोस्टर में किंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. विमला ढांडा ने उस अवसर पर कहा कि ऑनलाइन शिक्षण हमारे लिए जिनका फायदेमंद है उनमें से नुकसानदायक भी हो सकता है लेकिन कोरोना काल में ऑनलाइन प्रशिक्षण का महत्व बहुत बढ़ गया है। ऐसे में ऑनलाइन शिक्षण से हमें कई प्रकार की समस्याएं और विपरियां हो सकती हैं। ऑनलाइन शिक्षण के दौरान सत्रित आहार एक अहम भूमिका निभाता है। महायक प्रोफेसर कविता दुआ जाधव ने बताया कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से लोगों को ऑनलाइन शिक्षण के लाभ व हानि के बारे में बताते हए उनके प्रबंधन की भी जानकारी दी गई ताकि



भविष्य में इससे होने वाली समस्याओं से बचा जा सके। कमर दर्द होना, गदन दर्द व आखों की कई समस्याएं इस ऑनलाइन शिक्षण के कारण उत्पन्न हो सकती हैं।

इस दौरान आयोजित प्रतियोगिता में ईंदूरा चक्रवर्ती मृह विज्ञान महाविद्यालय की बीएससी कम्प्यूटरी साईंस की अंतिम वर्ष की छात्रा कानून धौमेर ने प्रथम स्थान व इसी महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा छवि ने द्वितीय व दयानंद महाविद्यालय हिसार के बीएससी अंतिम वर्ष के छात्र पीयूष शर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के अलावा शहर के विभिन्न महाविद्यालय के 34 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागी को इं-प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	07.01.2021	--	--

## कांति ने बनाया सबसे प्रेरणादायी पोस्टर

**पोस्टरों के माध्यम से बताए ऑनलाइन शिक्षण के फायदे व नुकसान**

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय को छात्राओं द्वारा एक ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू मेहता व पाद्यक्रम समन्वयक सहायक प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ जाधव की



देखरेख में किया गया। महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. बिमला ढांडा ने इस अवसर पर कहा कि ऑनलाइन शिक्षण हमारे लिए जितना फायदेमंद है उतना ही नुकसानदायक भी हो सकता है। लेकिन कोरोना काल में ऑनलाइन प्रशिक्षण का महत्व बहुत बढ़ गया है।

ऐसे में ऑनलाइन शिक्षण से हमें के कारण उत्पन हो सकती हैं। कई प्रकार की समस्याएं और इस दौरान आयोजित प्रतियोगिता विमर्शियां हो सकती हैं। ऑनलाइन में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान शिक्षण के दौरान संतुलित आहार महाविद्यालय को बीएससी एक अहम भूमिका निभात है। हर कम्युनिटी साइंस की अंतिम वर्ष की 20 मिनट में ब्रेक लेना चाहिए और छात्रा कांति धोमीर ने प्रथम स्थान व बच्चों को स्मार्टफोन की बजाय इसी महाविद्यालय की अंतिम वर्ष लैपटॉप या टेबलेट प्रयोग में लाना की छात्रा छावि ने द्वितीय व द्यानंद चाहिए। महायक प्रोफेसर कविता दुआ जाधव ने बताया कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से लोगों को इसी महाविद्यालय के अंतिम वर्ष के छात्र पौरूष शर्मा ने अंतिम वर्ष के छात्र शहर के विभिन्न अलावा शहर के विभिन्न प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के अंतिम वर्ष के 34 विद्यार्थियों ने भविष्य में इसमें होने वाली ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागी को ई-प्रमाण पत्र कई समस्याएं इस ऑनलाइन शिक्षण प्रदान किए गए।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	07.01.2021	01	01

## ऑनलाईन शिक्षण से हो सकती हैं बिमारियाँ: डॉ. ढांडा

हिसार/07 जनवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के छात्राओं द्वारा ऑनलाईन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू मेहता व पाठ्यक्रम समन्वयक सहायक प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ जाधव की देखरेख में किया गया। महाविद्यालय की अधिदाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि ऑनलाईन शिक्षण हमारे लिए जितना फायदेमंद है उतना ही नुकसानदायक भी हो सकता है। लेकिन कोरोना काल में ऑनलाईन प्रशिक्षण का महत्व बहुत बढ़

गया है। ऐसे में ऑनलाईन शिक्षण से हमें कई प्रकार की समस्याएं और बिमारियाँ हो सकती हैं। ऑनलाईन शिक्षण के दौरान संतुलित आहर एक अहम भूमिका निभाता है। हर 20 मिनट में ब्रेक लेना चाहिए और बच्चों को स्मार्टफोन की बजाय लैपटॉप या टैबलेट प्रयोग में लाना चाहिए। सहायक प्रोफेसर कविता दुआ जाधव ने बताया कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से लोगों को ऑनलाईन शिक्षण के लाभ व हानि के बारे में बताते हुए उनके प्रबंधन की भी जानकारी दी गई ताकि भविष्य में इससे होने वाली समस्याओं से बचा जा सके। कमर दर्द होना, गर्दन दर्द व आंखों की कई समस्याएं इसके कारण उत्पन्न हो

सकती हैं। इस दौरान आयोजित प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की बीएससी कम्युनिटी साईंस की अंतिम वर्ष की छात्रा काति घीरे ने प्रथम स्थान व इसी महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा छवि ने द्वितीय व दयानंद महाविद्यालय हिसार के बीएससी अंतिम वर्ष के छात्र पीयूष शर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के अलावा शहर के विभिन्न महाविद्यालय के 34 विद्यार्थियाँ ने ऑनलाईन माइक्रो से भाग लिया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागी को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ न्यूज	08.01.2021	--	--

### ठंड में जरूरतमंदों के लिए सहारा बनेगा एचएयू

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा इस कड़कड़तो ठंड में जरूरतमंद लोगों के लिए 8 जनवरी को एक 'द क्लोथिंग ड्राइव' अभियान चलाया जाएगा। यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजु मेहता व पाट्यक्रम समन्वयक सहायक प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ जाधव ने बताया कि इस दौरान विभाग की संकल्प टीम की छात्राओं द्वारा इस अभियान का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान विश्वविद्यालय के गेट नंबर एक पर स्थित नेकी की दीवार गेट नंबर चार और इदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर वस्त्रों को एकत्रित करने के लिए कलेक्शन सेंटर बनाए जाएंगे। इन केंद्रों पर कोई भी व्यक्ति जरूरतमंदों की सेवा के लिए अपने घर पर रखे हुए पुराने वस्त्रों को यहां देकर जा सकता है। इन केंद्रों पर ग्रातः 9 बजे से सायकाल पाव बजे तक वस्त्र एकत्रित किए जाएंगे। पाट्यक्रम समन्वयक डॉ. कविता दुआ जाधव ने बताया कि जो भी व्यक्ति यहां वस्त्र देना चाहता है वह साफ व सुश्वर, बिना फट्टे हुए और सेनेटाइज किए गए वस्त्र यहां देकर जाए ताकि कोरोना महामारी के बलते सावधानी बरतते हुए उन्हें सदी के मौसम में जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा सके।



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार**  
**लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम..... पंशुनी  
 दिनांक १५.२.२१ पृष्ठ संख्या..... ५ कॉलम..... १-६

## ‘मशीनों की सहायता से प्रो-ट्रे में पौधे तैयार करेगा एच.ए.यू. का बागवानी विभ

हिस्टर. ७ बनवारी (ब्लूटी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग में अब वैज्ञानिक औटोमेटिक मशीन की सहायता से भी ट्रे में पौधे तैयार करें। इसके लिए विभाग ने एक ऐसी मशीन मंगवाई है जो बीज को छोड़ने से लेकर खाद व चिक्काई तक के शारीर काम जूहत तोड़ गति से और अपूर्विक तर्कनीक से करेगी। यह ही इससे समाप्त वैसे की बचत के साथ साथ लेहर की भी जगह आगवानी ही जगह रहेगा। इस मशीन को राष्ट्रीय कृषि

विकास योजना के तहत स्वापित किया गया है।

कृत्यपूर्ति प्रो. समर सिंह ने कहा कि इस मशीन के अने से किसानों को स्वास्थ व बेहतर ग्रामवासी के पौधे मिल सकेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय किसानों की जड़कर के अनुसार यौधे तैयार कर सकेंग और किसानों को अधिक बाज़ में यौधे मिल सकेंगे। यौधारी व कीटाशुद्धि होगी यौध बागवानी विभाग के अध्यक्ष हैं। अनिल गोदारा ने बताया कि पहले यौधे तैयार करने के लिए

मजदूरों की सहायता ली जाती है। इसमें बीज बोने से लेका खाद व पानी देने तक सभी काम मजदूरों से किए जाते हैं। इसके अलावा यौध तैयार करने के लिए बीज को जड़ीन में ही योगा जाता था, जिसमें बीज के सातप्रतिलिपि अंकुरण की संभावना कम होती थी और पौधे में जड़ीन में ही बीजपूर्ति शुरू हो जाती थी। साथ ही यौधे को एक बाग से दूसरे बाग ह ट्रांसफ्लोट करने में भी दिक्कत थी। इस मशीन के प्रयोग से ऐसी सभी समस्याओं पर विराम लग जाएगा।

### ऐसे काम करेगी मशीन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान विभाग के डॉ. एस.के. नाहराल ने बताया कि इस मशीन में मूलिधारुता या दृष्टिकोण नहीं है। उसके बाद मशीन की सहायता से ही इस प्रो-ट्रे में बाहरियत का घटाया जा सकता है। इसके बाद मशीन जड़ीन के हिस्से से यो-ट्रे में जड़ीन डालता है। एक प्रो-ट्रे में 55 से 105 तक बीज डालकर यौधे तैयार किया जाता है। पिछे इसको पांचों हाऊस में रखा जाता है और यौधे तैयार होने तक उनकी बहते देखभाल की जाती है।



विश्वविद्यालय के कुनैशी जे. बर सिंह बागवानी विभाग में आई मशीन का उपायोग समझाते हुए।